दिनांक 26 दिसंबर 2018 को संपन्न रा भा कार्यान्वयन समिति की 17वीं बैठक का कार्यवृत्त

सभी सदस्यों के आगमन के पश्चात, सदस्य सचिव श्री जयनाथ यादव, राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष महोदय तथा उपस्थित सदस्यों का स्वागत अभिनंदन करते हुए अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्रवाई कार्यसूची के अनुसार आरम्भ की जिसका विवरण निम्नानुसार है | चूंकि प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन, निदेशक अपना कार्यकाल सफलता पूर्वक पूर्ण करने के उपरांत वापस आईआईएम बेंगलुरु में कार्यग्रहण कर रहे हैं, अतः यह बैठक वर्तमान राभाकास के अध्यक्ष की अध्यक्षता में होने वाली अंतिम बैठक है अतः सभी ने उनके उल्लेखनीय कार्यों एवं कुशल नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया।

- पिछली बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि : पिछली बैठक दिनांक 29 अगस्त 2018 को आयोजित की गई थी और निदेशक महोदय के अनुमोदन के पश्चात इस बैठक का कार्यवृत्त सभी सदस्यों को सूचनार्थ जारी किया गया था |
- सभी सदस्यों की सहमति से राजभाषा अधिकारी द्वारा इसकी पुष्टि का अनुरोध किया गया। निदेशक महोदय ने इस पर स्वीकृति दी और सभी सदस्यों ने भी इसकी पुष्टि की |
- धारा 3 (3) का अनुपालन : धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेजों की सूची सभी सदस्यों को पॉवर पॉइंट द्वारा प्रदर्शन किया गया | इस तिमाही के दौरान धारा 3 (3) का शत प्रतिशत अनुपालन किया गया है |
- रा भा अधिकारी ने हिंदी प्रशिक्षण के संबंध में बताया कि संस्थान में सभी अप्रशिक्षित अधिकारियों/स्टॉफ सदस्यों को हिंदी का प्रबोध/प्रवीन/प्राज्ञ स्तर का प्रशिक्षण दिलाया गया है तथा जिन अधिकारियों/स्टॉफ को प्राज्ञ स्तर का ज्ञान नहीं है उन्हें इसका प्रशिक्षण पत्राचार के माध्यम से दिलाया जाएगा। कई वरिष्ठ अधिकारियों मुख्य रूप से वित्त व लेखा सलाहकार श्री दिलीप कुमार दत्ता ने अभिरुचि जताते हुए पारंगत पाठ्यक्रम कार्यक्रम की जानकारी लेनी चाही जिसे राजभाषा अधिकारी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि यह अभी आरंभ नहीं हुआ है ज्यों ही यह शुरू होगा होगा सभी को तदनुसार सूचित किया जाएगा|
- अध्यक्ष महोदय ने संस्थान में हिंदी कार्यान्वयन के विषय में बताया कि इस क्षेत्र में प्रभावी और सार्थक प्रगति हुई है जिसके लिए राजभाषा आनुभाग के साथ सभी सदस्य एवं स्टाफ सदस्यों का भी महत्वपूर्ण योगदान है | उन्होंने आगे कहा कि कार्यान्वयन का स्तर सतत बना रहे इसकी कोशिश निरंतर होनी चाहिए | उन्होंने इस उपलब्धि हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। राजभाषा अधिकारी ने कहा कि यह आपके सफल और कुशल मार्गदर्शन के बिना संभव नहीं था, आप हमेशा हिंदी कार्यान्वयन के लिए एक पथ प्रदर्शक के रूप में हमारा मार्गदर्शन करते रहें हैं जिसके परिणाम स्परूप हिंदी कार्यालय के विभिन्न स्तरों यथा- नराकास इंदौर, राज्य कार्यान्वयन कार्यालय भोपाल एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली के साथ गृह मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय हिंदी कार्यालय में भी संस्थान के हिंदी कार्यान्वयन की उपलब्धियों की चर्चा होती है| संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन का स्तर इतना उपर उठ चूका है कि आज हम किसी भी निरीक्षण का सफलता पूर्वक सामना करने की स्थिति में हैं | संस्थान में विभिन्न निरीक्षण प्राधिकारियों ने समय-समय पर इसकी सराहना भी की है | बैठक में सभी सदस्यों ने निदेशक महोदय के प्रति आभार व्यक्त किया |
- निदेशक महोदय को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की और से संकायाध्यक्ष (फैकल्टी) प्रो दीपायन दत्ता चौधरी ने अंगवस्त्रम भेंट कर उनका सम्मान किया | निदेशक महोदय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान में राजभाषा का क्रियान्वयन सभी विभागों के सम्मलित प्रयासों से ही संभव हो पाया है। इसे बनाएं रखने हेतु हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। सभी को उन्होंने पुनः शुभकामनाएं प्रेषित की। राजेश श्रीवास्तव हिंदी अनुवादक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक समाप्त हुई।